

Total No. of Questions - 9]
(2081)

[Total Pages : 3

8546

M.A. Examination

PSYCHOLOGY

[Cognitive Processes-(ii)]

Paper-XIV

(Semester-III)

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 48

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note : Attempt five questions in all, including Question No. 9 which is compulsory. Marks are indicated on the right-hand margin.

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रश्न सं. 9 अनिवार्य है। अंक दाएँ हाशिए में इंगित किये गये हैं।

8546/100/777/270/Trans.

[P.T.O.]

1. Describe psychological principles and its governing sensory thresholds. (10)

मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों तथा इसके नियामक संवेदी देहलियों का वर्णन कीजिए।

2. Explore brain asymmetry in hearing. (10)

श्रवण में मस्तिष्क की असममितता बताइए।

3. Give an account of Volley principle and place theory. (10)

वॉली सिद्धान्त तथा स्थान सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

4. Indicate salient features of visual process. (10)

दृष्टि प्रक्रिया की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

5. Write an essay on perceptual organisation. (10)

प्रात्यक्षिक संगठन पर एक निबन्ध लिखिए।

6. How would you evaluate planning process in adults? (10)

आप वयस्कों में नियोजन प्रक्रिया का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

7. What is perceptual differentiation? How would you assess it? (10)

प्रात्यक्षिक विभेदन क्या है? आप इसका आकलन किस प्रकार करेंगे?

8. Discuss the nature of perceptual process as revealed by perceptual vigilance. (10)

प्रात्यक्षिक सतर्कता द्वारा उद्घाटित के अनुसार प्रात्यक्षिक प्रक्रिया की प्रकृति का वर्णन कीजिए।

Compulsory Question

(अनिवार्य प्रश्न)

9. Write short notes on any *two* of the following : (4 × 2 = 8)

- (a) Auditory cortex.
- (b) Duplicity theory.
- (c) Geometrical illusions.
- (d) Attention and arousal.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (क) श्रवण प्रान्तस्था।
 - (ख) द्वैधदृष्टि सिद्धान्त।
 - (ग) ज्यामितीय भ्रम।
 - (घ) अवधान तथा अवबोधन।
-